Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding non-utilization of newly set up medical college and hospitals by the ESI Corporation in Rajasthan.

डॉ. करण सिंह यादव (अलवर): उपाध्यक्ष महोदय, मेरे निर्वाचन क्षेत्र अलवर में यू.पी.ए.-2 के समय एक ई.एस.आई. कॉर्पोरेशन द्वारा मेडिकल कॉलेज और सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया था। यह अस्पताल 800 करोड़ रुपये की लागत से बना है, जिसके साथ में एकेडमिक ब्लॉक, एडमिनिस्ट्रेटिव्स ब्लॉक, ब्वायज एंड गर्ल्स के हॉस्टल्स, नर्सेज हॉस्टल, इंटर्न्स हॉस्टल, स्टाफ क्वार्टर्स, रेजिडेंट्स डॉक्टर्स के क्वार्टर्स, पेशंट के रिलेटिव्स के एकॉमडेशन, कम्युनिटी सेंटर, ऑडिटोरियम तथा इंडोर फैसिलिटिज हैं। 800 करोड़ रुपये के इस अस्पताल का काम पूरे हुए दो साल से ज्यादा समय हो गया है। वर्तमान सरकार के लेबर मिनिस्ट्री ने यह निर्णय ले लिया है कि हम इस अस्पताल को चालू नहीं करेंगे। आज 800 करोड़ रुपये के इस अस्पताल में कौवे बोल रहे हैं, चमगादड़ दौड़ रहे हैं, इतना सुंदर परिसर है, इतनी अच्छी बिल्डिंग है। अगर कोई उसको देखता है तो ऐसा लगता है कि यह कोई कॉर्पोरेट अस्पताल है। पिछली सरकार का इतना पैसा इस अस्पताल में लगा है, उसके बावजूद वह अस्पताल सूना पड़ा रहे। मेरे चुनाव के समय यह बहुत बड़ा मुद्दा था। वहाँ सरकार ने 20-30 बेड्स की एक डिस्पेंसरी खोल दी है, पाँच डॉक्टर्स तथा 15 नर्सेस लगा दिए हैं। मैं इसे आपके माध्यम से सरकार के संज्ञान में लाना चाहूँगा। सरकारें बदलती रहती हैं, लेकिन सरकार के 800 करोड़ रुपये का पैसा वेस्टफूल एक्सपेंडिचर है, जिसके ऊपर कोई काम नहीं हो रहा है। उस पर सरकार निर्णय लें। चुनाव से पहले माननीय मेघवाल साहब वहाँ गए थे, अलवर की जनता ने उसकी माँग भी की थी। आपने टेलिफोन करके कहा था कि इसे जल्दी करवाएंगे।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करता हूँ कि इस अस्पताल को जल्द से जल्द शुरू करवा जाए। धन्यवाद।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Shri P.K. Biju is permitted to associate with the issue raised by Dr. Karan Singh Yadav.